# रायपुर को स्मार्ट सिटी अवॉर्ड, और बेहतर बनाने जुटेंगे

## आयुक्त रजत बंसल ने दिल्ली में लिया इनाम, बोले- अभी स्मार्ट नहीं हुआ है शहर, लगेगा समय

**रायपुर। निप्र**

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को तेज संस्थागत कार्य के लिए 21 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में बीडब्ल्यू (बिजनेस वर्ल्ड) स्मार्ट सिटीज अवॉर्ड दिया गया। आयुक्त और स्मार्ट सिटी सीईओ रजत बंसल ने यह अवॉर्ड हासिल किया। इस कैटेगरी में जयपुर, भुवनेश्वर और नागपुर को भी अवॉर्ड मिले। केंद्र सरकार ने रायपुर स्मार्ट सिटी की घोषणा 24 मई, 2016 को की थी, 17 अगस्त को स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) का गठन किया गया था।

### 9 फर्मों से ली गई है निविदा जल्दी होंगी नियुक्तियां

निगम आयुक्त रजत बंसल

अवॉर्ड पर सीआईओ बंसल ने बताया कि 16 सितंबर को कंपनी एक्ट के तहत एसपीवी का पंजीयन कराया। एसपीवी गठन और पंजीयन के बाद रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने तेजी से काम किया, स्मार्ट सिटी के प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए पीएम से नियुक्ति के लिए आरएफपी जारी कर 9 फर्मों से निविदा ली गई है। जिनकी जल्द नियुक्तियां होंगी। आयुक्त ने इस दौरान यह भी दोहराया कि यह सफलता है, लेकिन रायपुर स्मार्ट नहीं हुआ है। अभी बहुत काम करना है।

### एरिया बेस्ड डिवेलपमेंट (एबीडी) प्रोजेक्ट

प्राथमिकता में मोतीबाग का फर्स्ट फेज डिवेलमपेंट, शास्त्री बाजार को हाईजेनिक मार्केट बनाना यहां बायो कम्पोस्ट प्लांट लगाना, आनंद समाज वाचनालय का कायाकल्प, इंडोर स्टेडियम में वाकिंग ट्रेक, जागिंग के लिए ग्रीन कारीडोर के टेंडर लग चुके हैं। जवाहर बाजार व्यावसायिक परिसर में सह पार्किंग निर्माण होगा।

### पांच प्रोजेक्ट, जिनसे शहर आधुनिक होगा

- **मोतीबाग-** मोतीबाग में हार्ट बाजार, फूड कोर्ट के साथ साइट डिवेलपमेंट के गुरुवार को टेंडर जारी कर दिए। यह काम 87 लाख रुपए से होगा। इसके पहले 2 टेंडर लगे थे। इस साल मोतीबाग आकार ले लेगा।
- **इंटेलीजेंट ट्रैफिक सिस्टम-** शहर में ई-रिक्शा चलेंगे। इसके लिए निगम 3 विकल्पों पर सोच रही है, जिसमें रिक्शा के बदले ई-रिक्शा देने पर प्रमुखता से विचार चल रहा है। इतना ही नहीं, 8-9 साल पुराने ऑटो बैन होंगे। इसके लिए चिन्हिंकन होगा। इसके साथ-साथ ट्रैफिक सेंस डिवेलप करने अभियान भी चलेगा।
- **वेंडर जोन सर्वे-** शहर में जगह-जगह ठेले-गुमटियां हैं, जिन पर कार्रवाई भी चल रही है। वास्तव में इनकी कहां जरूर है, इसके लिए एक निजी कंपनी से सर्वे करवाया जाएगा।
- **अंडर ग्राउंड तार-** पूरे शहर में तारों का जाल फैला हुआ है, जो खतरनाक है और स्मार्ट सिटी के मानकों पर नहीं है। इन्हें अंडर ग्राउंड करना बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे लेकर जल्द बड़ा कदम उठाया जाएगा।
- **बस स्टॉपेज का ग्लोबल टेंडर-** बस स्टॉपेज जर्जर पड़े हुए हैं। लंबे समय से शहर में बस स्टॉपेज विवाद चल रहा है, मामला हाईकोर्ट में है। अब आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि इस पर ग्लोबल टेंडर जल्द जारी करें।